आपका भाग्योदय वर्ष क्या है वो जानें

:::::::::::::::::::: भास्कर ज्योतिष अनुसन्धान केंद्र, गया, बिहार ::::::::::::::::::

जीवन में समय के अनुसार सुख-दुख, पैसे की कमी, आर्थिक प्रबलता, नौकरी की सफलता, ये सब का आना जाना लगा रहता है .... मेरा भाग्योदय कब होगा ..? ये सभी लोगो की अपेक्षा होती है मेरा समय कब अच्छा होगा ..? इन सभी जानकारी को हम जान सकते हैं। जन्मकुंडली/हस्तरेखा के माध्यम से, जन्मकुंडली में लग्न के आधार पर ये जाना जा सकता है कि मेरा भाग्योदय कब होगा ....? जन्मकुंडली में 12 भाव होते हैं :::::: इन सभी भावों में 12 राशियों के नंबर होते हैं, ये 12 राशियां हैं मेष, वृष, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुंभ और मीन। जन्मकुंडली में पहला भाव जिस राशि/नंबर का होता है, उसी राशि के अनुसार कुंडली का लग्न तय किया जाता है।

मेष - जन्मकुंडली मेष लग्न की है तो उनका भाग्योदय 16 वर्ष की उम्र में या 22 वर्ष की उम्र, 28 वर्ष की उम्र, 32 वर्ष की उम्र या 36 वर्ष की उम्र में हो सकता है।

वृष - जन्मकुंडली वृष लग्न की है, उनका भाग्योदय 25 वर्ष की आयु, 28 वर्ष की आयु, 36 वर्ष की आयु या 42 वर्ष की आयु में भाग्योदय हो सकता है।

मिथुन - मिथुन लग्न की जन्मकुंडली वाले लोगों का भाग्योदय करने वाली उम्र है 22 वर्ष, 32 वर्ष, 35 वर्ष, 36 वर्ष या 42 वर्ष। इन वर्षों में मिथुन राशि के लोगों का भाग्योदय हो सकता है।

कर्क - जिनकी जन्मकुंडली कर्क लग्न की है, उनका भाग्योदय 16 वर्ष की आयु, 22 वर्ष की आयु, 24 वर्ष की आयु, 25 वर्ष की आयु, 28 वर्ष की आयु या 32 वर्ष की आयु में होने की सम्भावन होती है।

सिंह - जन्मकुंडली सिंह लग्न की है तो उनका भाग्योदय 16 वर्ष की आयु में, 22 वर्ष की आयु में, 24 वर्ष की आयु में, 26 वर्ष की आयु में, 28 वर्ष की आयु में या 32 वर्ष की आयु में होने की सम्भावन होती है।

कन्या - इन लोगों का भाग्योदय इन वर्षों में हो सकता है- 16 वर्ष, 22 वर्ष, 25 वर्ष, 32 वर्ष, 33 वर्ष, 35 वर्ष या 36 वर्ष।

तुला - जिन लोगों की कुंडली तुला लग्न की है, उनके भाग्य का उदय 24 वर्ष की उम्र में हो सकता है। यदि 24 वर्ष की आयु में भाग्योदय न हो तो इसके बाद 25 वर्ष की आयु में, 32 वर्ष की आयु में, 33 वर्ष की आयु में या 35 वर्ष की आयु में भाग्योदय हो सकता है।

वृश्चिक - इन लोगों का भाग्योदय 22 वर्ष की आयु में, 24 वर्ष की आयु में, 28 वर्ष की आयु में या 32 वर्ष की आयु में हो सकता है।

धनु - उनका भाग्योदय 16 वर्ष की आयु में, 22 वर्ष की आयु में या 32 वर्ष की आयु में हो सकता है।

मकर - मकर लग्न की कुंडली वाले लोगों का भाग्योदय 25 वर्ष की आयु में या 33 वर्ष की आयु में या 35 वर्ष की आयु में या 36 वर्ष की आयु में हो सकता है।

कुंभ - जिन लोगों की कुंडली कुंभ लग्न की है, उनका भाग्योदय 25 वर्ष की उम्र में, 28 वर्ष की उम्र में, 36 वर्ष की उम्र में या 42 वर्ष की उम्र में हो सकता है।

मीन - इन लोगों का भाग्योदय 16 वर्ष की आयु में, 22 वर्ष की आयु में, 28 वर्ष की आयु में या 33 वर्ष की आयु में हो सकता है।

ये एक भाग्योदय वर्ष होने का वर्ष बताया गया जीवन कर्म के साथ भाग्य को समझ कर करना श्रेयष्कर होता है और जीवन जरूर सफल होता है ऐसा भगवन ने तय किया है कर्म के साथ भाग्य की अपेक्षा ऊपर वाला से ही किया जाता है उसे आपके पक्ष में करना भी उनका तय अनुमान है........

हस्तरेखाविद, ज्योतिषविद एवं वास्तुशास्त्र विशेषज्ञ आचार्य रवि रंजन भास्कर

GAYA, BIHAR

संपर्क सूत्र + Whatsaap - 9801326260

वेबसाइट - www.astrologerbhaskarjyotish.com